एक नजर में

आईआईटी मद्रास ने इतिहास रचा

उज्जैन। एनआईआरएफ 2025 में इंजीनियरिंग श्रेणी में लगातार 10वें वर्ष और सकल श्रेणी में लगातार 7वें वर्ष संस्थान नंबर 1 स्थान पर; भारतीय शिक्षा जगत के अग्रणी संस्थान के रूप में प्रतिष्ठा और बढ़ी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने एक बार फिर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। संस्थान ने इंजीनियरिंग शिक्षा में दशकों की उत्कृष्टता का इतिहास लिखा है। आज नई दिल्ली में एक पुरस्कार समारोह में इस रैंकिंग की घोषणा की गई। संस्थान ने नवाचार श्रेणी (पहले नवाचार की उपलब्धियों के लिए संस्थानों की अटल रैंकिंग) में भी नंबर 1 रैंक हासिल की है। यह पिछले साल इसी श्रेणी में संस्थान के नंबर 2 से बेहतर रैंक है। संस्थान ने हाल में डीप-टेक स्टार्ट-अप का विश्व स्तरीय इकोसिस्टम बनाने के लक्ष्य से स्कूल ऑफ इनोवेशन एंड आंत्रप्रेन्योरशिप की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य पूरी दुनिया में उद्यमशीलता उन्मुख विश्वविद्यालयों में संस्थान का नाम करना है। 4 सितंबर को नई दिल्ली में एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग के 10वें संस्करण के परिणामों की घोषणा भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की। इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम; एनबीए के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे और एनबीए के सदस्य सचिव डॉ. अनिल कुमार नासा भी उपस्थित थे, जिन्होंने पदक प्रदान किए। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने स्वयं यह पुरस्कार ग्रहण किए। उनके साथ आईआईटी मद्रास के डीन (योजना) प्रो. आर. सारथी और आईआईटी मद्रास की रैंकिंग समिति के अध्यक्ष प्रो. रजनीश कुमार भी मौजूद थे। इस वर्ष आईआईटी मद्रास ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग भी बहुत बेहतर की है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (क्यूएस डब्ल्यूयूआर) 2026 में पिछले वर्ष के 227वें स्थान से बढ़कर इस वर्ष आईआईटीएम 180वें स्थान पर पहुंच गया।

मासांत वर्ग में प्राणायाम व समता कराई

उज्जैन। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस 5 सितंबर को प्रांत की योजना अनुसार संकुल सह मासान्त वर्ग सरस्वती विद्या मंदिर उज्जैन ऋषिनगर संस्कृति भवन में शिक्षक दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत संस्कृति भवन, संस्कार भवन, मक्सी मार्ग, मारुति गंज विद्यालय के सभी प्राचार्य, प्रधानाचार्य व आचार्य-परिवार उपस्थित रहे। मासान्त वर्ग के प्रथम सत्र में शारीरिक, प्राणायाम, व समता कराई गई। वंदना सत्र प्रतिभा पलसावदिया मारुति गंज प्राचार्य द्वारा लिया गया। संवाद सत्र राजेंद्र प्रकाश गुप्त व डॉ. रामतीर्थ शर्मा ने लिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर एक प्रभावी शिक्षक कैसा होना चाहिए। इस विषय में प्रकाश डाला गया। इसी कड़ी में प्रथम शिक्षण सत्र डॉ. रविंद्र शर्मा प्रांत प्रशिक्षण निदेशक ने भारतीय पंचपदी पाठ योजना को विस्तृत रूप प्रदान कर आचार्य परिवार से चर्चा कर संपूर्ण प्रारूप को समझाया। द्वितीय शिक्षण सत्र में आचार्यों ने पाठ योजना निर्माण व पाठ प्रस्तुतीकरण कराकर तथा अंत में समीक्षा सत्र द्वारा मासान्त वर्ग का समापन हुआ। इस अवसर पर राजेंद्र प्रकाश गुप्त समिति अध्यक्ष, डॉ. रामतीर्थ शर्मा मारुति गंज उज्जैन सांदीपनि शिक्षा प्रसार समिति के सचिव, अभिलाष जैन समिति सहसचिव, भगवान सिंह ठाकुर संस्कृति भवन प्राचार्य, प्रतिभा पलसावदिया मारुति गंज प्राचार्य, राधेश्याम शर्मा संस्कार भवन प्रधानाचार्य, दिलीप परमार मारुति गंज प्रधानाचार्य, हर्षवती शर्मा मक्सी मार्ग प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

सीरत कमेटी ने माना आभार, जलसा आज

उज्जैन। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर 5 सितंबर को जामा मस्जिद से जुलूस निकला। जुलूस में हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के समाजजन शामिल हुए वहीं रास्ते भर विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर जुलूस का स्वागत किया। जुलूस में 100 से अधिक झांकियां शामिल हुई और सैकड़ों मंचों से जुलूस का स्वागत किया गया। मुस्लिम सीरत कमेटी के सदर सूफ़ी मो जाकिर गबू बाबा ने बताया कि जुलूस जामा मस्जिद से कालियादेह गेट, कमरी मार्ग, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा, लोहे का पुल, तोपखाना, मदारगेट, दौलतगंज चौराहा, फव्वारा चौक, नई सड़क, कंठाल चौराहा, तेलीवाड़ा, मिर्जा नईम बेग मार्ग, छत्रीचौक, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड़, मावा बाजार होते हुए पुनः जामा मस्जिद पहुंचा। सीरत कमेटी के सरपरस्त शहर काजी खलीकुर्रहमान, मेहबुब आलम, सीरत कमेटी सदर सूफी जाकिर मिया चिश्ती गबू बाबा, कमेटी के मेंबरों सहित जुलूस में हजारों समाजजन शामिल हुए। सफलतापूर्वक जुलूस के संपन्न होने शहर काजी, सीरत कमेटी ने प्रशासन का आभार माना। टंकी चौक पर आज रात जलसा होगा। जिसमें अल्लामा सलमान नईमी दाहोद गुजरात शामिल होंगे साथ ही शहर के हजरात भी बयान फरमाएंगे।

संस्कृति रक्षक मंच ने किया शिक्षकों का सम्मान

उज्जैन। संस्कृति रक्षक मंच ने शिक्षक दिवस के एक दिन पूर्व वार्ड क्रमांक 6 के अंतर्गत आने वाले शासकीय व निजी स्कूलों के शिक्षकों का सम्मान मंच के अध्यक्ष एवं एमआईसी सदस्य व वार्ड पार्षद शिवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में किया गया। मंच के दीपक सैनी ने बताया की संस्कृति रक्षक मंच द्वारा शिक्षक दिवस के एक दिन पूर्व वार्ड क्रमांक 06 के अंतर्गत आने वाले शासकीय माध्यमिक स्कूल मोहन नगर ए, शा.आदर्श संस्कृत उमा विद्यालय मोहन नगर ए, अल्फ़ा कान्वेंट स्कूल गांधी नगर, अली कान्वेंट स्कूल गांधी नगर, धर्मिष्ठा कान्वेंट स्कूल मोहन नगर में पढ़ाने वाले शिक्षक व शिक्षिकाओं का सम्मान मंच के अध्यक्ष तिवारी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विक्रम ठाकुर, मोहन चौहान, पूजा पंवार, वंदना जैन, लखन राणावत, नुरुद्दीन अंसारी, हरिओम तिवारी, सुनीता नागर, सिद्दीकी आदि उपस्थित थे। संचालन मोहन चौहान ने किया व आभार नुरुद्दीन अंसारी ने माना। इस अवसर पर लगभग 75 शिक्षक शिक्षिकाओं का मंच की ओर से दुप्पटा व फूल की कलिया देकर सम्मान किया गय।

प्रेम विवाह करने वाले के पास मिली गुप्ती

उज्जैन। वारंट तामिल कराने निकली माकड़ोन पुलिस को खबर मिली कि माकड़ोन-तनोड़िया मार्ग पर रावणखेड़ी फंटे पर यात्री प्रतिक्षालय के अंदर गुप्ती लेकर बैठा है। तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची, युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी में पकड़ा गया। उसके पास से 14 इंच लम्बी गुप्ती बरामद की गई। पूछताछ करने पर उसका नाम योगेश पिता गंगाराम सूर्यवंशी 21 साल निवासी ग्राम रामपुर भुंडवास थाना कानड़ जिला आगर मालवा होना सामने आया। मामले में आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि योगेश ने ग्राम परसोली की युवती के प्रेम विवाह किया है। जो वर्तमान में सुमराखेड़ी में रिश्तेदार के यहां रह रही है। युवती का परिजन प्रेम विवाह से नाराज है। गुप्ती के साथ पकड़ाये युवक को आशंका थी कि उस पर हमला हो सकता है, जिसके चलते वह गुप्ती लेकर आया था। लेकिन अवैध हथियार होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

महर्षि सांदीपनि की नगरी का बढ़ा मान, शिक्षकों के समर्पण को नगर निगम ने दिया सम्मान

स्व. बाबा साहब नातू सामुदायिक भवन में आयोजित हुआ कार्यक्रम, 72 शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह किए भेंट

आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों से लेकर नेता

कार्यकर्ता और अधिकारी कर्मचारी रहे उपस्थित

उज्जैन। महर्षि सांदीपनि की नगरी उज्जैन में जहां भगवान श्री कृष्णा स्वयं शिक्षा दीक्षा प्राप्त करने आए थे, ऐसे में यहां का महत्व और भी बढ़ जाता है। शिक्षक दिवस या गुरु पूर्णिमा के अवसर पर यहां शिक्षकों का सम्मान किया जाता है। शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर निगम ने शिक्षकों का सम्मान कर उनका मान बढ़ाया।

पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्लि डॉ. राधाकृष्णन जी के जन्म दिवस 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन स्व. बाबा साहब नातू सामुदायिक भवन में महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता एवं विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष कलावती यादव, नेता प्रतिपक्ष रविराय, सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी अनिल गुप्ता के विशिष्ठ आतिथ्य में किया गया।

सम्मान समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में शहर के समस्त वार्ड पार्षदों से प्राप्त किये गए शिक्षकों तथा शहर ऐसे शासकीय विद्यालय जिनके द्वारा शतप्रतिशत परिणाम दिया गया है। उनके प्राचार्यो को उपस्थित अतिथियों द्वारा शॉल, श्रीफल, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि आप शिक्षक दिवस के अवसर पर आप सभी शिक्षकों का सम्मान कर के हम गौरवान्वित है आप सभी को प्रणाम एवं शुभकामनाएं। इस अवसर पर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एमआईसी सदस्य दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, डॉ. योगेश्वरी राठौर, रजत मेहता, शिवेन्द्र तिवारी, कैलाश प्रजापत, जितेंद्र कुंवाल, झोन अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहर, विजय सिंह कुशवाह, संग्राम सिंह भाटिया, पार्षद गब्बर भाटी, रामेश्वर दुबे, राजेश बाथम, नीलम राजा कालरा, राखी कड़ेल, आभा कुशवाह, निर्मला करण परमार, बबीता घनश्याम गौड़, बालकृष्ण पटेल, मंडल अध्यक्ष सतीश सिंदल, गजेन्द्र खत्री, मुकेश पोरवाल, हरिश सौलंकी, अपर आयुक्त संतोष टेगोर, उपायुक्त योगेन्द्र पटेल, सहायक आयुक्त प्रफुल्ल खठरे, राघवेन्द्र सिंह पाल, जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार उपस्थिति रहे।

आपके मार्गदर्शन में बड़े परिवर्तन आते हैं

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। आप ही के मार्गदर्शन में बड़े से बड़े परिवर्तन आ सकते हैं, एक बच्चा जिसे कुछ नहीं आता वह शिक्षा के माध्यम से अच्छे अच्छे स्तर पर पहुंच सकता है, देश का श्रेष्ठ नागरिक बन सकता है यह सब निर्भर करता है आस सभी की शिक्षा के कारण। आप सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं। विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि गुरू के बिना ज्ञान अधुरा है सबसे पहले गुरु हमारे माता पिता है उसके बाद आप सभी है। निगम अध्यक्ष कलावती यादव ने कहा कि गुरू का जो स्थान है हमारी संस्कृति में वो बहुत ही ऊंच स्थान है। कहते है कि गुरू का स्थान भगवान से भी बड़ा होता है और जब हम वंदना करते हैं गुरु ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः हमारी संस्कृति में जो गुरू का स्थान है उससे किसी की बराबरी नहीं की जा सकती है और मां प्रथम गुरू होती है बच्चों कि जो बाद में विश्वास के साथ अपने बच्चों की उंगली गुरू को थमा देती है।

समारोह में सम्मानित शिक्षकों के नाम

रमेशचंद्र चांगोसिया, ऋतु बड़ेरा, बिन्दिया शर्मा, शैलेजा रिछारिया, बबिता जोशी, राजेश राठौर, अलका सहस्त्रबुद्धे, राजेश शर्मा, अनीता नगरिया, बज्रवाला मनावत, श्याम सुंदर भट्ट, ममता निगम, शिवराज पाल, दिग्विजय शुक्ला, हेमलता चौहान, सुदीप जै, स्वीटी शर्मा, मीनाक्षी वर्मा, पिंकी सौलंकी, पुरुषोत्तम कुमार विष्णु, अभय जोशी, विभा उपाध्याय, मोहम्मद शहजाद कुरैशी, अनिता हरी, गणेशगिरी गोस्वामी, मंजुबाला राठौर, डॉ. राजेश ठाकुर निर्झर, शशि साहू, आबिदा कासम कुरैश, साधना विरधरे, शफी मोहम्मद शेख, जुलेखा कागजी, आशुतोष मेहता, दीपाली निगम, गरिमा पुरोहित, अंशु भार्गव, विनिता पाल, राजकुमार विश्वकर्मा, अर्चना वधेका, पद्मसिंह चौहान, हरिओम व्यास, देशपांडे, अर्चना श्रीवास्तव, शशिकुमार बोरखडिया, सनत कुमार व्यास, अनिल कुमार जैन, रेखा शास्त्री, डीएस धोडवाल, डॉ. विभा शर्मा, सपना गोठवाल, मुकेश त्रिवेदी, तनवीर जहां, सुनीता मिश्रा, अभिमन्यु व्यास, उषा डोर, आरती अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, शिवसिंह अहिरवार आदि सम्मानित हुए।

झमाझम बारिश से तालाब बनी सड़कें, एक घंटे में 2 इंच

उज्जैन। मेहरबान मानसून जमकर बरस रहा है। शुक्रवार शाम एक बार फिर से झमाझम का नजारा दिखाई दिया और सड़कें तालाब बन गई। आवागमन पूरी तरह से थम गया था। एक घंटे तेज बारिश के बाद रिमझिम का सिलसिला जारी था।

भगवान गणेश के आगमन के साथ ही मानूसन की दस्तक हो गई थी। जिसके बाद से लगातार बारिश का क्रम बना हुआ है। क्षिप्रा उफान पर चल रही है, गंभीर डेम से पानी छोड़ा जा रहा है। इस बीच शुक्रवार शाम 4 बजे एक बार फिर बादलों की गड़गड़ाहट के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई। करीब 1 घंटे तक रफ्तार से पानी गिरता रहा। तेज बारिश के चलते धार्मिक नगरी की रफ्तार पूरी तरह से थम गई थी। सड़कें तालाब बन चुकी थी, जहां से वाहन निकालना मुश्किल हो गया था। शाम पांच बजे बारिश का क्रम धीमा हुआ तो जलभराव के बीच दो पहिया वाहन बंद होते दिखाई देने लगे। स्थानीय जीवाजीराव वेधशाला के अनुसार एक घंटे में 55 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। जो 2 इंच से अधिक है। अब तक 740 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो 30 इंच है। शहर की औसतन बारिश का आंकड़ा 36 इंच है, जिसमे अब 6 इंच की जरूरत बची है।

खाचरौद में सर्वाधिक वर्षा 902 मिमी दर्ज

इस वर्षाकाल में अभी तक 5 सितम्बर की प्रातः तक जिले में औसत 726.5 मिमी वर्षा हो चुकी है। पिछले 24 घंटों के दौरान बड़नगर तहसील में सर्वाधिक 67 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष अभी तक जिले की खाचरौद तहसील में सर्वाधिक वर्षा 902 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। कलेक्टर कार्यालय भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में उज्जैन जिले में औसत 24.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान उज्जैन तहसील में 02 मिमी, घटि्टया में 4 मिमी, खाचरौद में 12 मिमी, नागदा में 65 मिमी, माकड़ोन तहसील में 30 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। अभी तक उज्जैन जिले की उज्जैन तहसील में 771, घटि्टया में 502.5, खाचरौद में 902, नागदा मे 859 मिमी वर्षा हुई है।

बस्तियों में पानी भरने से बढ़ी परेशानी

शहर की निचली बस्तियों में पानी भरने से लोगों की परेशानी बढ़ गई थी। घरों में पानी भरने से लोगों का सामान भीग चुका था। जहां ज्यादा जलभराव की स्थिति बनी थी वहां नगर निगम की टीमें जल निकासी के लिये पहुंचना शुरू हो गई थी। कुछ क्षेत्रों में बनी झुग्गी-झोपड़ियों में तेज बारिश से काफी नुकसान हुआ है। इधर शाम को हुई बारिश के बाद फिर से क्षिप्रा का जलस्तर बढ़ने की संभावना जताई गई है। शहर के साथ ही आसपास के इलाको और ग्रामीण क्षेत्रों से बारिश का पानी रात तक क्षिप्रा में पहुंचने लगेगा। इससे पहले बुधवार-गुरूवार को क्षिप्रा का जलस्तर बड़े पुल तक पहुंच गया था। घाटों पर बने सभी मंदिर डूब चुके थे। शुक्रवार सुबह से जलस्तर कम होना शुरू हुआ था। जिसके फिर से बढ़ने की संभावना है।

उज्जैन संभागीय स्काउट गाइड गतिविधि की समीक्षा बैठक आयोजित

उज्जैन। भारत स्काउट एवं गाइड मप्र के वार्षिक कार्यक्रमानुसार उज्जैन संभाग के स्काउट गाइड पदाधिकारियों की वार्षिक गतिविधि समीक्षा बैठक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) मंदसौर में राज्य उपाध्यक्ष श्रीमती दीपिका अंशुल बैरागी की अध्यक्षता, राज्य कोषाध्यक्ष सह जिला मुख्यायुक्त श्री रमेशचंद्र शर्मा के मुख्यातिथ्य एवं डीईओ सह कमिश्नर जिला मंदसौर मैडम टेरेसा मिंज के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक को विशेष अतिथि श्री राजेश दीक्षित एवं डाइट प्राचार्य श्री राठौर ने भी संबोधित किया। जानकारी देते हुए संभागीय संगठन आयुक्त स्काउट संभाग उज्जैन डॉ सुरेश पाठक ने बतलाया कि संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग उज्जैन सुश्री रमा नाहटे मैडम द्वारा प्रसारित परिपत्रानुसार संभाग के सभी जिलों के स्काउट- गाइड पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। समीक्षा बैठक में स्काउट गाइड गतिविधि संचालन, दल पंजीयन जानकारी, आडिट जानकारी, विभिन्न प्रशिक्षण एवं शिविरों की स्थान एवं तिथि निर्धारण, डायमंड जंबूरी की जिलेवार प्रतिभागिता एवं उनका पंजीयन शिविर शुल्क जमा करने पर विस्तृत चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में सर्व शाजापुर से सर्वश्री डॉ बालेंद्र श्रीवास्तव आयुक्त वयस्क संसाधन श्री गौरव सोनी, सचिव सह आयुक्त कब, श्री दीपक शर्मा कोषाध्यक्ष, श्री मोह सईद जिला ग्रोथ समन्वयक, जिला आगर मालवा से जिला संगठक गाइड श्रीमती अनुभूति सिंह, श्री कालूराम वर्मा संगठक स्काउट, श्री मनोज शर्मा सचिव, जिला रतलाम से संगठक श्री रमेश बारिया, डीटीसी श्री के सी व्यास, जिला नीमच से संगठक श्रीमती बानो बी, कार्यालय प्रभारी श्री तिग्गा जी, जिला प्रशिक्षक स्काउट श्री चंद्रसेन गोराना, जिला देवास से संगठक सह एएसओसी संभाग इंदौर श्री मनोज पटेल, डीटीसी स्काउट श्री आर सी सोलंकी, डीटीसी गाइड श्रीमती ममता सक्सेना, डीओसी गाइड श्रीमती कोमल चौधरी, संयुक्त सचिव श्रीमती वंदना बघेला, विख आयुक्त श्री मनोज उपाध्याय, कार्यालय प्रभारी श्री जितेंद्र मंडलोई, जिला मंदसौर से जिला मुख्य आयुक्त श्री अंशुल बैरागी, जिला आयुक्त रोवर श्री एन डी वैष्णव, सचिव सुश्री सलमा शाह, गरोठ विख प्रभारी श्री नेपालसिंह तोमर की उपस्थिति रही।

बप्पा की विदाई में नगर निगम और पीएचई कायम रखेगा परंपरा

उज्जैन। 10 दिवसीय गणेश उत्सव का कल समापन होने जा रहा है। गणपति बप्पा को धूमधाम से विदाई दी जाएगी। विदाई समारोह अनंत चतुर्दशी पर इस बार भी झांकियां की परंपरा को नगर निगम और पीएचई विभाग कायम रखेगा। जिसमें धार्मिक झांकी के साथ सेना के शौर्य ऑपरेशन सिंदूर का दृश्य दिखाई देगा।

धार्मिक नगरी में गणपति बप्पा के 10 दिवस के उत्सव के बाद विदाई चल समारोह अनंत चतुर्दशी के रूप में निकाला जाता है। सालों से चले आ रही परंपरा में इस बार भी नगर निगम और पीएचई विभाग कायम रखने जा रहे है। नगर निगम द्वारा इस बार भगवान कृष्ण की झांकी का निर्माण किया जा रहा है जिसमें कृष्ण के हाथों में बांसुरी दिखाई देगी। धार्मिक आधारित झांकी के साथ नगर निगम इस बार सेना के शौर्य ऑपरेशन सिंदूर दृश्य भी प्रदर्शित कर रहा है। पीएचई विभाग द्वारा धार्मिक झांकियां का निर्माण किया जा रहा है जिसमें श्री कृष्ण की अठखेलियां और लीला दिखाई देगी। हजारों छोटे बड़े रंगीन झील मिलाते इलेक्ट्रिक बल्ब से झांकियां रोशन होगी। पिछले आठ दिनों से कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन झांकियां में उकेरा जा रहा है। जो अब अंतिम चरणों में पहुंच चुका है। अनंत चतुर्दशी का जल समारोह कल रात 9 बजे बाद चामुंडा माता चौराहा से शुरू होगा।

अब नहीं दिखता झांकियों का कारवां

अनंत चतुर्दशी चल समारोह का एक समय ऐसा था जब झांकियां का कारवां देखते-देखते रात गुजर जाती थी। करीब 30 साल पहले गणपति बप्पा की विदाई में उद्योगों से भारी धार्मिक नगरी में नगर निगम, पीएचई विभाग के साथ ही, रोडवेज, डालडा फैक्ट्री, पाइप फैक्ट्री, श्री सिंथेटिक, कृषि उपज मंडी, हीरा मिल, इंदौर टेक्सटाइल मिल, विनोद विमल मिल, बड़वासी नवयुग मंडल, सोयाबीन प्लांट के साथ ही अन्य संस्थाओं द्वारा झांकियां की दो से तीन ट्रालियां निकल जाती थी। जिसे एक ही स्थान पर खड़े होकर देखने में रात गुजर जाती थी।

आज से बहेगी आस्था की गंगा

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन मे आज से आस्था की गंगा बहेगी। सुबह सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ होगी इसके बाद वृंदावन के संत व्यास पीठ पर विराजमान होकर श्रीमद् भागवत कथा का रस पान भक्तों को करवाएंगे।

श्रीमद्भगवत कथा के आयोजक हर्ष जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जायसवाल परिवार द्वारा आज 6 सितंबर से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करवाया जा रहा है जो कि स्व. बृजलाल जायसवाल, स्व. प्रभादेवी जायसवाल, स्व. सुरेशचंद जायसवाल, स्व. कुसुम देवी जायसवाल, स्व. अशोक जायसवाल की स्मृति में आयोजित किया गया है। आपने बताया कि श्री धाम वृंदावन के प्रसिद्ध कथा वाचक अनंत सम्पन्न सद्गुरूदेव, महंत मदन मोहन दास के कृपा पात्र शिष्य धन्वंतरि दास महाराज श्रीमद्भगवत कथा करने के लिए पहली बार उज्जैन पधारे है। यह श्रीमद्भगवत कथा आज 6 सितंबर से प्रारंभ होकर 12 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक महाकाल परिसर, हीरामिल रोड़, कोयला फाटक चौराहा पर होगी।

टॉवर से सुबह 6 बजे | पर्युषण के समापन पर मुनि प्रणुतसागर के सानिध्य में निकलेगी

कल 108 ध्वज, 71 ढोल, 21 घोड़े के साथ जैन समाज की सबसे बड़ी यात्रा

नवभारत न्यूज

उज्जैन। 108 धर्म ध्वज, 5 हाथी, 2 राजशाही रथ, 21 घोड़े, 31 बग्घी 71 ढोल, 7 बैंड व 4 श्रीजी की बेदियों के साथ दिगम्बर जैन समाज की अब तक की सबसे बड़ी यात्रा 7 सितंबर को टावर चौक फ्रीगंज से सुबह 6 बजे से निकाली जाएगी।

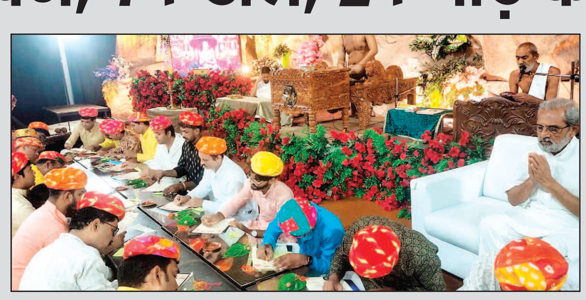

पर्युषण के समापन पर यह यात्रा मुनिश्री प्रणुतसागर महाराज के सानिध्य में निकलेगी। जिसमें उज्जैन के इतिहास में पहलीबार लक्ष्मीनगर, सेठीनगर स्थित तीनों जैन मंदिर के श्रीजी हाथी पर विराजमान होकर निकलेंगे। भगवान महावीर, आदिनाथ व शांतिनाथ के रथ व पर्युषण में 16 व 10 उपवास की तपस्या करने वाले तपस्वी शोभायात्रा में शामिल रहेंगे। यह जानकारी प्रसन्नमन: चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मुनिश्री प्रणुतसागर जी महाराज ने शुक्रवार शाम लक्ष्मीनगर मंदिर के प्रवचन पंडाल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए दी। मुनिश्री ने कहा कि हाल ही में पंजाब में हुए हादसे में प्रभावित लोगों के लिए शनिवार की सुबह 6.30 बजे प्रार्थना कर 24 शांतिधारा की जाएगी। 8 सितंबर को क्षमावाणी होगी।

इन मार्गों से होकर गुजरेगी यह राजशाही शोभायात्रा

शोभायात्रा टॉवर से शुरू होकर शहीद पार्क, घासमंडी चौराहा, देसाईनगर, गाय चौराहा होते हुए महावीर दिगम्बर जैन मंदिर लक्ष्मीनगर पहुंचेगी जहां तपस्वियों का सामूहिक पारणा व बहुमान आयोजित किया जाएगा। उज्जैन के प्रसिध्द समाजसेवी श्रीमती स्नेहलता-श्रवण सोगानी परिवार द्वारा सभी तपस्वियों को रजत बेदी पर बिठाकर स्वर्ण पात्र में पारणा करवाया जाएगा। तत्पश्चात मुनिश्री प्रणुतसागर जी के प्रवचन होंगे। उज्जैन के इतिहास में पहली बार लक्ष्मीनगर के महावीर मंदिर, आदिनाथ मंदिर व शांतिनाथ मंदिर के श्रीजी की प्रतिमा के कलशाभिषेक एक साथ एक ही जगह पर होंगे। इस कार्यक्रम के बाद आनंद मंगल परिसर में सकल जैन समाज का वात्सल्य भोज आयोजित किया गया है।

कल महाकाल मंदिर के पट रात 9.58 बजे ही बंद कर दिए जाएंगे

उज्जैन। 7 सितंबर को ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर के पट रात 9.58 बजे ही बंद कर दिए जाएंगे। इसके पहले भगवान महाकाल की शयन आरती की जाएगी। दरअसल इस दिन चंद्र ग्रहण लग रहा है। इसलिए एक दिन के लिए मंदिर की व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि 7 सितम्बर रविवार को चंद्रग्रहण का प्रारम्भ रात्रि 9.58 बजे से होगा। इसको ध्यान में रखते हुए ग्रहण के पूर्व ही शयन आरती रात्रि 9.30 बजे प्रारंभ होगी एवं रात्रि 9.58 पर पट बंद कर दिए जाएंगे। दूसरे दिन 8 सितंबर की अल सुबह ग्रहण समाप्ति के पश्चात भस्मारती के पूर्व मंदिर खुलने पर शुद्धिकरण किया जाएगा। गर्भगृह व नंदीहॉल को कोटितीर्थ के पवित्र जल से धोया जाएगा। इसके बाद आरती-पूजा की जाएगी।